प्रेस विज्ञप्ति

बिहार पुलिस मुख्यालय

दिनांक–12.09.2023 (सं0–401)

आर्थिक अपराध इकाई के द्वारा साइबर अपराधों के विरुद्ध की गयी कार्रवाई

आर्थिक अपराध इकाई, बिहार, पटना के साइबर सेल में राज्य में साइबर अपराध की शैली, घटनाओं और उनके अलग–अलग अपराध–शैलियों की विवेचना एवं उनसे सम्बन्धित आसूचना तथा साइबर अपराध के संगठित गिरोहों के केंद्रीयकृत कार्रवाई हेतु Cyber Intelligence Unit की स्थापना की गयी है जिसका मुख्य कार्य विभिन्न स्रोतों यथा National Cyber Crime Reporting Portal के राज्य के विभिन्न थानों में दर्ज साइबर सम्बन्धी कांडों तथा अन्य स्रोतों से प्राप्त आपराधिक गिरोहों के सम्बन्ध में आसूचना प्राप्त कर उनके विरुद्ध कारगर कार्रवाई के लिए कार्य योजना तैयार करना है।

Cyber Intelligence Unit द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्य निम्न प्रकार हैं:–

आर्थिक अपराध थाना कांड सं0–08/2023

- **कांड का सारांश :–**
  साइबर इंटेलिजेन्स युनिट, आ0अप0ई0 को लगातार सूचना मिल रही थी कि साइबर गिरोह के द्वारा लोगो से उनके मोबाइल में Anydesk Download करवाकर उनका ओ0टी0पी0 प्राप्त कर उनके बैंक खातो से पैसों की ठगी की जा रही है।
- **गिरफ्तारी** :–कुल 09 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया।
- **बरामदगी** :–37 हजार नकद, मोबाइल–11(Keypad), मोबाइल–17(Smart), लैपटॉप–01 डेबिट/क्रेडिट कार्ड, इत्यादि।
- **अपराध शैली :–**
  इस अपराध में अधिकतर BLO को शिकार बनाया जाता है। इस अपराध में फर्जी बी0डी0ओ0/चुनाव अधिकारी बनकर BLO को फोन करते है तथा उनसे मतदाता सूची के संबंध में पूछताछ कर झांसे में लेकर पीड़ित के मोबाइल पर Anydesk (Remote access App) Download करवाकर उक्त ऐप का कोड प्राप्त कर उनके बैंक खातो से पैसे की ठगी की जाती है तथा धोखाघड़ी किये गये पैसों से टाइटन कम्पनी से ऑनलाइन सोने के सिक्कों की खरीदारी करते हैं तथा कुछ पैसों को HP के वॉलेट मे डालकर गया के पेट्रोल पम्प से कैश करा लेते थें।

आर्थिक अपराध थाना कांड सं0–09/2023

साइबर अपराधियों के द्वारा अज्ञात नम्बरों से फोन कर आमलोगों को बैंक खाता के सत्यापन एवं अन्य बैंक गतिविधियों के नाम पर आमजनों के मोबाइल में Anydesk/Ruskdesk App (Remote Access App) Download करवाकर उक्त ऐप का कोड प्राप्त कर आमजनों के मोबाइल का access प्राप्त कर विभिन्न बैंक का UPI Install कर आमजनों के खाते से पैसे की अवैध निकासी कर विभिन्न बैंक खातों में हस्तांतरित कर लेते है तथा विभिन्न बैंको के ए0टी0एम के माध्यम से नकद पैसे की निकासी तथा अन्य ई–कामर्स कम्पनियों से सोने/चाँदी/हीरों के जेवरातों की खरीदारी कर आमलोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है।

इस सूचना पर 1930 पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की पड़ताल में यह पाया गया कि संतोष कुमार यादव E-Coy कुण्डवा चैनपुर, 20वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा एक शिकायत NCRP पर दर्ज किया गया था।

गूगल से सर्च से मिले कस्टमर केयर के तीन मोबाइल नम्बर पर फोन करने पर पीड़ित को तीन हजार रुपया वापस करने का भरोसा दिया गया। उसके बाद संदिग्ध के द्वारा Ruskdesk download कराकर पीड़ित के Union Bank Of India के खाता से 99,999.99/रुपया की अवैध निकासी कर लिया।

इसके पीड़ित को साइबर इंटेलिजेन्स यूनिट, आ0अप0ई0 के द्वारा फोन कर बुलाया गया तथा पीड़ित से धोखाघड़ी के सम्बन्ध में पूरी जानकारी प्राप्त की गयी। पीड़ित के द्वारा बताया गया कि उनके **कुण्डवा चैनपुर, पूर्वी चम्पारण थाना कांड संख्या–73/2023, दिनांक–23.04.2023, धारा–420/379 भा0द0वि0 एवं 66(डी) आइ0टी0एक्ट के अन्तर्गत कांड दर्ज किया गया।**

तकनीकी आधार पर संदिग्धो को चिन्हित करने की कार्रवाई के उपरान्त उनको पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ करने पर उन लोगो ने अपना अपराध स्वीकार किया तथा गुलजारबाग स्थित इनके किराये के मकान से नकद, सोने चाँदी के जेवरात एवं अन्य सामग्री बरामद की गयी।

अपराध शैली :–

आमजनों के मोबाइल में Anydesk/Ruskdesk app (Remote access App) Download करवाकर उक्त ऐप का कोड प्राप्त कर आमजनों के मोबाइल का access प्राप्त कर विभिन्न बैंक का UPI Install कराकर आमजनों के खाते से पैसे की अवैध निकासी कर विभिन्न बैंक खातों में हस्तांतरित कर अन्य ई–कामर्स कम्पनियों से सोने/चाँदी/हीरों के जेवारतों एवं इलेक्ट्रॉनिक सामानो की खरीदारी कर आमलोगों के साथ ठगी की जाती है। इस अपराध के कई स्तर हैं।

एडवाइजरी :–

1. कभी भी गूगल से किसी भी कम्पनी का कस्टमर केयर का नम्बर प्राप्त न करें। इस हेतु संबंधित कम्पनी के बेवसाइट पर जाकर कस्टमर केयर का मोबाइल नम्बर प्राप्त करें।
2. किसी भी कार्य यथा.–बैंक खाता/मोबाइल सिम/वॉलेट/अन्य का के0वाई0सी0 कराने हेतु कभी भी कोई ऐप को डाउनलोड न करें।
3. किसी को भी किसी प्रकार से प्राप्त OTP को शेयर न करें।

बरामदगी :–

14 लाख 10 हजार नगद, सोना–293.6 ग्राम (17 लाख 56 हजार करीब रूपया), चांदी–36.5 ग्राम, मोबाईल–70, लैपटाप–02, पैन कार्ड–04, डेबिट/क्रेडिट कार्ड–109, पासबुक/चेकबुक–86, आधार कार्ड–06, डेस्कटॉप/कम्प्यूटर–01,

आर्थिक अपराध थाना कांड सं0–10/2023

Cyber Intelligence Unit को सूचना मिली थी कि Work from home के नाम पर टेलीग्राम, व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर लोगों को उसका सदस्य बनाने के बाद उनसे किसी विशेष साइट्स को Like करने का काम लिया जाता था और कुछ दिनों के बाद भुगतान करने के बाद पीड़ित से किसी आकर्षक स्कीम का लोभ दिखाकर बड़ी रकम डलवा कर ठगी कर ली जाती थी। इसकी जाँच के क्रम में यह भी पता चला कि अभियुक्तों द्वारा लोगों से ठगे पैसों को प्राइवेट लिमिटेड कम्पनियों के एकाउण्ट में ट्रांसफर कर दिया जाता था। जाँच और अनुसंधान में यह बात सामने आयी कि साइबर अपराधियों द्वारा दो चार्टेड एकाउण्टेन्ट की पढ़ाई कर रहे छात्रों के साथ मिलकर कुल 8 कम्पनियाँ 11 नवम्बर 2022 से 22 नवम्बर 2022 तक खोली गयी थीं। इस ग्रुप को कोलकाता में बैठे सरगना द्वारा संचालित की जा रही थी और उसके गिरोह के अन्य सदस्य पटना, वैशाली अन्य जगह बैठकर लोगों के ठगी के पैसे विभिन्न माध्यमों से अपराधकर्मियों द्वारा उन प्राइवेट लिमिटेड कंपनियों के एकाउण्ट से निकाले जाते थे

गिरफ्तारी –06

बरामदगी :–

1. 1,90,000/- rupees cash, Android Phones- 7, Laptop- 5, CPU- 1, Adhar Card- 10, Pan Cards- 9, Non-Judicial Papers- 7 Cheque Book- 15 etc.

इस प्रकार साइबर अपराध के काण्डों के उदभेदन एवं आम लोगों को विभिन्न अपराध शैली के सम्बन्ध में सतर्क एवं जागरुक रहने हेतु आर्थिक अपराध इकाई, बिहार, पटना लगातार कार्य कर रही है।

XXXXXX